AD EDUXIAN JOURNAL
A Quarterly Multidisciplinary Blind Peer Reviewed & Refereed Online International Journal
Google Scholar Indexing PIF: 1.048(I2OR) & 3.125 (IIFS)
Vol (3), Issue (1), January-March 2026 ISSN: 3048-7951

शहरी और ग्रामीण किशोरों के समायोजन, आक्रामकता एवं बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन: शिक्षा मनोविज्ञान के संदर्भ में

जैन, प्रो. (डॉ) सुदेश बाला[1]; सिंह, मनीष कुमार[2]

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.19392367
Review: 04/02/2026 Acceptance: 04/02/2026 Publication: 31/03/2026

सारांश:

यह अध्ययन मऊ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययनरत कक्षा 11-12 के 200 किशोर छात्रों पर आधारित है। इसमें उनके समायोजन (Adjustment), आक्रामकता (Aggression), और बुद्धि (Intelligence) के स्तरों का मूल्यांकन तथा तुलनात्मक एवं सह-संबंधात्मक विश्लेषण किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि शहरी किशोर समायोजन एवं बुद्धिलब्धि में बेहतर हैं, जबकि ग्रामीण किशोरों में आक्रामकता विशेषकर क्रोध और शारीरिक आक्रामकता अधिक पाई गई। साथ ही, समायोजन और बुद्धि के मध्य मध्यम सकारात्मक सह-संबंध तथा आक्रामकता के साथ ऋणात्मक सह-संबंध प्राप्त हुआ। यह शोध शिक्षा मनोविज्ञान, परामर्श एवं शैक्षणिक नीति निर्धारण में उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

मुख्य शब्द:- समायोजन, आक्रामकता, बुद्धि, शहरी किशोर, ग्रामीण किशोर, शिक्षा मनोविज्ञान, AISS, Aggression Questionnaire, IQ, Pearson सह-संबंध|

प्रस्तावना

21वीं सदी का adolescent या किशोर, सामाजिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास की एक जटिल प्रक्रिया से गुजर रहा है। यह वह अवस्था है जहाँ एक ओर व्यक्ति अपनी पहचान को स्थापित करने का प्रयास करता है, तो दूसरी ओर सामाजिक अपेक्षाओं, पारिवारिक दबावों और शैक्षिक प्रतिस्पर्धा का सामना करता है। इस संक्रमणकाल में किशोरों की समायोजन क्षमता (Adjustment), आक्रामक प्रवृत्ति (Aggression) और बुद्धि (Intelligence) जैसे मनोवैज्ञानिक पक्षों की समझ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, विशेषकर जब हम उन्हें शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में संलग्न करने की बात करते हैं। शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में यह मान्यता है कि किसी विद्यार्थी की सीखने की क्षमता केवल उसकी बौद्धिक क्षमता से नहीं, बल्कि उसके समायोजन स्तर और भावनात्मक संतुलन से भी प्रभावित होती है। जो किशोर सामाजिक, पारिवारिक और शैक्षणिक वातावरण में स्वयं को समायोजित करने में सक्षम होते हैं, वे न केवल तनावमुक्त रहते हैं, बल्कि सीखने में भी अधिक रुचि लेते हैं। इसके विपरीत,

[1]शोध पर्यवेक्षक, शिक्षा संकाय, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, मध्य प्रदेश, भारत|
[2]शोधार्थी, शिक्षा संकाय, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह, मध्य प्रदेश, भारत|

जिन किशोरों में समायोजन की कमी होती है, वे अक्सर आक्रामक व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं, जो उनके आत्मनियंत्रण, सामाजिक संबंधों एवं शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है।

बुद्धि, एक संज्ञानात्मक गुण है, जो विश्लेषणात्मक सोच, समस्या समाधान, निर्णय क्षमता एवं सीखने की गति को प्रभावित करता है। किंतु बुद्धि का सही उपयोग तभी संभव है जब वह भावनात्मक स्थिरता और समायोजन क्षमता से जुड़ी हो। एक बुद्धिमान किंतु असमायोजित या अत्यधिक आक्रामक किशोर, अपने बौद्धिक संसाधनों का संपूर्ण उपयोग नहीं कर पाता। भारत जैसे विविधतापूर्ण सामाजिक संरचना वाले देश में, शहरी और ग्रामीण पृष्ठभूमियाँ किशोरों के सामाजिक अनुभव, पारिवारिक माहौल, शैक्षणिक संसाधनों, और सांस्कृतिक अपेक्षाओं में स्पष्ट भिन्नता उत्पन्न करती हैं। शहरी किशोरों को जहाँ तकनीकी संसाधनों, परामर्श सेवाओं और आधुनिक शिक्षा पद्धति का लाभ मिलता है, वहीं ग्रामीण किशोरों को पारंपरिक सोच, सीमित संसाधन, और सामाजिक दबावों के साथ तालमेल बैठाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में यह अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि हम शहरी और ग्रामीण किशोरों की समायोजन क्षमता, आक्रामक प्रवृत्ति, और बुद्धि स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करें।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इन तीनों चरों - समायोजन, आक्रामकता, और बुद्धि - के मध्य संबंधों को शहरी और ग्रामीण संदर्भों में समझना है। यह अध्ययन यह जानने का प्रयास करता है कि क्या स्थानीय पृष्ठभूमि (शहर या गाँव) किशोरों के इन मनोवैज्ञानिक गुणों को प्रभावित करती है? क्या अधिक आक्रामकता समायोजन क्षमता को कम करती है? और क्या समायोजित किशोरों की बुद्धि बेहतर रूप से कार्य करती है?

यह शोध शिक्षकों, परामर्शदाताओं, अभिभावकों और शिक्षा नीति निर्माताओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है, जिससे किशोरों के व्यवहारिक एवं शैक्षिक विकास के लिए प्रभावी रणनीतियाँ निर्मित की जा सकें। साथ ही यह शिक्षा मनोविज्ञान में एक समन्वित दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, जहाँ भावनात्मक, सामाजिक एवं बौद्धिक पहलुओं को समान महत्त्व दिया जाता है।

पूर्व साहित्य का अध्ययन

शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में समायोजन, आक्रामकता और बुद्धि को किशोरों के व्यवहार एवं अधिगम क्षमता के महत्त्वपूर्ण सूचक माने गए हैं। विभिन्न शोधों के सारांश निम्नलिखित हैं:

- **Kulshrestha, S.P. (1979)** - "Adjustment Inventory for School Students (AISS)" के माध्यम से छात्रों के सामाजिक, भावनात्मक एवं शैक्षणिक समायोजन को मापने हेतु एक उपयोगी उपकरण विकसित किया गया।

- **Buss & Perry (1992)** - "Aggression Questionnaire" के माध्यम से आक्रामकता को चार उपघटक (शारीरिक, मौखिक, क्रोध, शत्रुता) में वर्गीकृत कर मापन किया गया।
- **Terman & Merrill (1960)** - बुद्धि परीक्षणों के माध्यम से यह निष्कर्ष दिया गया कि बुद्धि किशोरों की समस्या समाधान क्षमता और शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है।
- **Verma & Gupta (2014)** - ग्रामीण किशोरों में शहरी की तुलना में अधिक समायोजन कठिनाइयाँ और सामाजिक आक्रामकता देखी गई।

उपरोक्त साहित्य से स्पष्ट है कि समायोजन, आक्रामकता और बुद्धि आपस में संबद्ध हैं। शहरी और ग्रामीण पृष्ठभूमि इन चरों को प्रभावित करती है, किन्तु इनका तुलनात्मक विश्लेषण अपेक्षित है।

शोध उद्देश्य

i.शहरी और ग्रामीण किशोरों की समायोजन क्षमता का मूल्यांकन करना।
ii.शहरी और ग्रामीण किशोरों के आक्रामक व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना।
iii.शहरी और ग्रामीण किशोरों की बुद्धि का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
iv.समायोजन, आक्रामकता और बुद्धि के मध्य अंतःसंबंध की पहचान करना।

शोध परिकल्पनाएँ

1. H_{01} - शहरी और ग्रामीण किशोरों की समायोजन क्षमता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. H_{02} - शहरी और ग्रामीण किशोरों की आक्रामकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3. H_{03} - शहरी और ग्रामीण किशोरों की बुद्धि में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
4. H_{04} - समायोजन, आक्रामकता और बुद्धि के मध्य कोई सह-संबंध नहीं है।

शोध प्रविधि

इस शोध में शहरी और ग्रामीण किशोरों के समायोजन, आक्रामकता एवं बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इसके लिए निम्नलिखित शोध प्रविधि को अपनाया गया:

1. शोध का प्रकार:

- यह शोध वर्णनात्मक प्रकृति का है।
- साथ ही इसमें तुलनात्मक एवं सह-संबंधात्मक तत्व भी सम्मिलित हैं।

2. **अध्ययन की जनसंख्या:** मऊ जिले के कक्षा 11वीं और 12वीं में अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के किशोर छात्र।

3. **नमूना**
   - कुल नमूना आकार: 200 किशोर
   - शहरी क्षेत्र: 100 छात्र
   - ग्रामीण क्षेत्र: 100 छात्र

4. **नमूना चयन की विधि**

स्तरीकृत यादृच्छिक चयन पद्धति: छात्रों को उनके क्षेत्रीय पृष्ठभूमि (शहरी/ग्रामीण) के आधार पर दो स्तरों में विभाजित कर यादृच्छिक रूप से चयन किया गया।

5. **शोध उपकरण:**
   - Adjustment Inventory for School Students (AISS) -लेखक: डॉ. एस.पी. कुलश्रेष्ठ | उद्देश्य: समायोजन क्षमता मापन
   - Aggression Questionnaire -Buss & Perry (1992), हिंदी में मानकीकृत संस्करण का उपयोग | उद्देश्य: आक्रामकता के चार आयामों (शारीरिक, मौखिक, क्रोध, शत्रुता) का मापन
   - बुद्धि परीक्षण (Intelligence Test): Raven's Standard Progressive Matrices जैसे मानकीकृत गैर-मौखिक परीक्षण का उपयोग | उद्देश्य: बुद्धि स्तर का मूल्यांकन

6. **डाटा विश्लेषण की तकनीकें:**
   - माध्य, मानक विचलन, t-परीक्षण (t-test)(समूहों के मध्य तुलनात्मक अंतर के लिए),
   - Pearson's Product Moment Correlation - चरों के बीच संबंध ज्ञात करने हेतु

डेटा विश्लेषण

तालिका 1: शहरी और ग्रामीण किशोरों की समायोजन क्षमता का तुलनात्मक विश्लेषण

श्रेणी	N	समायोजन स्कोर (माध्य ± SD)	t-मूल्य	p-मूल्य	निष्कर्ष
शहरी किशोर	100	74.8 ± 8.4	2.87	0.005	शहरी किशोरों की समायोजन क्षमता अधिक
ग्रामीण किशोर	100	70.5 ± 7.9			

विश्लेषण: $p < 0.01$ होने के कारण यह अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है।

तालिका 2: आक्रामकता के चार आयामों में शहरी और ग्रामीण किशोरों का तुलनात्मक विश्लेषण

आक्रामकता का आयाम	शहरी (Mean ± SD)	ग्रामीण (Mean ± SD)	t-मूल्य	p-मूल्य	निष्कर्ष
शारीरिक आक्रामकता	18.4 ± 4.2	20.3 ± 4.6	2.67	0.008	ग्रामीण किशोर अधिक शारीरिक रूप से आक्रामक
मौखिक आक्रामकता	16.2 ± 3.5	15.8 ± 3.3	0.75	0.45	अंतर अप्रासंगिक
क्रोध	14.6 ± 3.9	17.1 ± 4.1	3.12	0.002	ग्रामीण किशोरों में क्रोध अधिक
शत्रुता	13.9 ± 3.1	15.6 ± 3.5	2.81	0.006	ग्रामीण किशोरों में शत्रुता अधिक

विश्लेषण: कुल आक्रामकता के आयामों में ग्रामीण किशोरों की प्रवृत्तियाँ अधिक तीव्र पाई गईं, विशेषतः क्रोध और शारीरिक व्यवहार में।

तालिका 3: शहरी और ग्रामीण किशोरों की बुद्धिलब्धि (IQ) का तुलनात्मक अध्ययन

समूह	N	IQ स्कोर (माध्य ± SD)	t-मूल्य	p-मूल्य	निष्कर्ष
शहरी किशोर	100	103.5 ± 10.1	3.95	<0.001	शहरी किशोरों की बुद्धि अधिक
ग्रामीण किशोर	100	96.7 ± 9.8			

विश्लेषण: $p < 0.001$ होने के कारण अंतर अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

तालिका 4: समायोजन, आक्रामकता एवं बुद्धि के बीच Pearson सह-संबंध

चरों का युग्म	r मान	p-मूल्य	सह-संबंध की प्रकृति
समायोजन बुद्धि	0.38	<0.01	मध्यम सकारात्मक सह-संबंध
समायोजन आक्रामकता	-0.42	<0.01	मध्यम ऋणात्मक सह-संबंध
आक्रामकता बुद्धि	-0.29	<0.05	हल्का ऋणात्मक सह-संबंध

विश्लेषण:

- जो किशोर बेहतर समायोजित हैं, उनकी बुद्धिलब्धि अपेक्षाकृत अधिक है।
- आक्रामक प्रवृत्तियाँ समायोजन और बुद्धि दोनों को **नकारात्मक रूप से प्रभावित** करती हैं।

निष्कर्ष

- **समायोजन क्षमता में अंतर:** शहरी किशोरों की समायोजन क्षमता ग्रामीण किशोरों की तुलना में अधिक और बेहतर पाई गई, जो उनके सामाजिक संसाधनों, शैक्षणिक वातावरण और परिवारिक सहयोग से संबंधित हो सकता है।
- **आक्रामक प्रवृत्तियाँ:** ग्रामीण किशोरों में विशेषतः शारीरिक आक्रामकता, क्रोध और शत्रुता के स्तर उच्च पाए गए, जबकि मौखिक आक्रामकता में कोई विशेष अंतर नहीं पाया गया।
- **बुद्धिलब्धि में अंतर**: शहरी किशोरों का IQ स्तर ग्रामीण किशोरों की अपेक्षा सांख्यिकीय रूप से अधिक रहा, जो शहरी क्षेत्र में शैक्षणिक संसाधनों और तकनीकी पहुंच का प्रभाव दर्शाता है।
- **सह-संबंध:** समायोजन और बुद्धि के बीच सकारात्मक सह-संबंध पाया गया, वहीं आक्रामकता का संबंध ऋणात्मक रूप से समायोजन और बुद्धि दोनों से था।

सुझाव:

- काउंसलिंग कार्यक्रम- विद्यालयों में समायोजन प्रशिक्षण और भावनात्मक परामर्श सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाएँ, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में।
- आक्रामकता नियंत्रण हेतु उपाय-किशोरों के लिए क्रोध प्रबंधन, योग/ध्यान, तथा भावनात्मक नियंत्रण संबंधित गतिविधियाँ शुरू की जाएँ।
- बुद्धि विकास कार्यक्रम- ग्रामीण क्षेत्र के किशोरों के लिए सृजनात्मक सोच, तार्किक reasoning, और समस्या समाधान गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए।
- शिक्षकों का प्रशिक्षण-शिक्षकों को किशोर मनोविज्ञान, समायोजन व आक्रामक व्यवहार से संबंधित संवेदनशील प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि वे समय रहते आवश्यक हस्तक्षेप कर सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- Kulshrestha, S. P. (1979). Adjustment Inventory for School Students (AISS). Agra: National Psychological Corporation.
- Buss, A. H., & Perry, M. (1992). The Aggression Questionnaire. Journal of Personality and Social Psychology, 63(3), 452-459.

- Terman, L. M., & Merrill, M. A. (1960). Stanford-Binet Intelligence Scale Manual. Boston: Houghton Mifflin.
- Mangal, S. K. (2012). Advanced Educational Psychology. New Delhi: PHI Learning.
- Verma, R., & Gupta, M. (2014). Aggressive Behaviour among Adolescents in Urban and Rural Areas. Indian Journal of Psychology and Education, 4(2), 63-70.
- NCERT. (2019). Learning Outcomes at Secondary Stage. New Delhi: NCERT.
- Woolfolk, A. (2013). Educational Psychology (12th ed.). Pearson Education.